ओ पवन पुत्र हनुमान | By Rajendra Jain |

पवन तनय संकट हरन
मंगल मूर्ति रूप।
राम लखन सीता सहित
हृदय बसहु सुरभूप॥

ओ पवन पुत्र हनुमान, राम के परम भक्त कहलाये
तेरी महिमा सब जग गाये, तेरी महिमा सब जग गाये

है बालपने की बात तुम्ही ने, रवि को मुख में दबाया
दुनिया में हाहाकार मचा, जब घोर अंधेरा छाया
ब्रह्मा ने वज्र प्रहार किया, तब से हनुमान कहाये
तेरी महिमा सब जग गाये, तेरी महिमा सब जग गाये

वानर राजा सुग्रीव को, पम्पापुर का राज्य दिलाया
सीता जी की सुधि लाने का, बीड़ा तुमने ही उठाया
श्री राम को से मुद्रिका लेकर के, लंका को चले हर्षाये
तेरी महिमा सब जग गाये, तेरी महिमा सब जग गाये

करके समुन्दर पार विभीषण, को बंधन से छुड़ाया
अशोक वाटिका में जाकर, माँ को सन्देश सुनाया
सुनकर सन्देश सिया जी के, नैनों में आँसू आये
तेरी महिमा सब जग गाये, तेरी महिमा सब जग गाये

रावण की आज्ञा से दानव ने, पूंछ में आग लगाई
सियाराम चंद्र की जय कहकर, सोने की लंका जलाई
सीता जी से आज्ञा लेकर, फिर रामादल में आये
तेरी महिमा सब जग गाये, तेरी महिमा सब जग गाये

चरणों में शीश नवाकर के, प्रभु को सन्देश सुनाया
सुनकर के व्यथा सीता माँ की, नैनों में नीर भर आया
ओ राम दूत बलवान तुम्हारी, महिमा वरणी ना जाये
तेरी महिमा सब जग गाये, तेरी महिमा सब जग गाये

शक्ति लागि जब लक्ष्मण को, तुमने ही प्राण बचाये
अहिरावण के बंधन से, राम लखन को छुड़ाकर लाये
महावीर तुम्हारे चरणों में, 'ताराचंद' शीश नवाये
तेरी महिमा सब जग गाये, तेरी महिमा सब जग गाये

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%93-%e0%a4%aa%e0%a4%b5%e0%a4%a8-%e0%a4%aa%e0%a5%81%e0%a4%a4%e0%a5%8d%e0%a4%b0-%e0%a4%b9%e0%a4%a8%e0%a5%81%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%a8-by-rajendra-jain/